भारत सरकार

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या: 2189

31 जुलाई, 2026 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर

सिजेरियन प्रसव में वृद्धि

†2189. श्री ईश्वरस्वामी के:

श्री मुरारी लाल मीना:

क्या **स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी), मद्रास द्वारा किए गए अध्ययन के निष्कर्षों पर ध्यान दिया है, जो 2016 से लेकर आज तक, विशेषकर निजी अस्पतालों में सिजेरियन प्रसव (सी-सेक्शन) में तीव्र वृद्धि का संकेत देते हैं;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और पिछले पांच वर्षों के दौरान, राजस्थान सहित देशभर में राज्य/संघ राज्य क्षेत्र-वार तथा विशेषकर दौसा जिले में सरकारी और निजी अस्पतालों में सामान्य बनाम सी-सेक्शन प्रसव की कुल संख्या और प्रतिशतता का वर्ष-वार ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या सरकार ने चिकित्सकीय रूप से औचित्यहीन सी-सेक्शन प्रसवों के कारणों और मातृ स्वास्थ्य तथा स्वास्थ्य देखभाल व्यय पर उनके प्रभाव का मूल्यांकन किया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(घ) क्या सरकार ने (डब्लूएचओ) द्वारा अनुशंसित सीमाओं का पालन सुनिश्चित करने के लिए चिकित्सा आवश्यकता के बिना किए गए सी-सेक्शन प्रसवों को विनियमित करने, उनकी निगरानी करने, उन्हें रोकने और जवाबदेही तय करने के लिए कोई दिशानिर्देश या संपरीक्षा तंत्र लागू किया है; और

(ङ.) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और सरकार द्वारा देश में अनावश्यक सी-सेक्शन प्रसवों को कम करने के लिए क्या कदम उठाए जा रहे हैं?

उत्तर

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय में राज्य मंत्री

(श्रीमती अनुप्रिया पटेल)

(क) और (ख) सरकार वर्ष 2021 में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी), मद्रास द्वारा किए गए अध्ययन के निष्कर्षों से अवगत है, जिसमें देशभर के निजी और सरकारी अस्पतालों, विशेष रूप से तमिलनाडु और छत्तीसगढ़ में, सिजेरियन सेक्शन (सी-सेक्शन) की व्यापकता का विश्लेषण किया गया था। इस अध्ययन में

राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण के दो चरणों (एनएफएचएस-4 और एनएफएचएस-5) के बीच पांच वर्षीय अंतराल में देखी गई प्रवृत्तियों को रेखांकित किया गया है।

देशभर में सरकारी एवं निजी अस्पतालों में हुए प्रसवों, जिनमें सिजेरियन सेक्शन प्रसव (सी-सेक्शन) भी शामिल हैं, का राज्य/संघ राज्य क्षेत्र-वार विवरण, जिसमें राजस्थान भी सम्मिलित है, नीचे दिए गए लिंक पर उपलब्ध है।

https://www.nfhsiips.in/nfhsuser/assets/National%20Family%20Health%20Survey%20(NFHS-6)%202023-2024%20Fact%20Sheets.pdf

राजस्थान के दौसा जिले में पिछले पांच वर्षों के दौरान हुए प्रसवों, जिनमें सिजेरियन सेक्शन प्रसव (सी-सेक्शन) भी शामिल हैं, का विवरण **अनुलग्नक** में संलग्न है।

(ग) स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार के अधीन जनसंख्या अनुसंधान केन्द्र (पीआरसी)-जेएसएस आर्थिक अनुसंधान संस्थान, धारवाड़, कर्नाटक की "प्रदाता एवं लाभार्थी के दृष्टिकोण से सिजेरियन प्रसव की परिस्थितियों की समझ" विषयक अध्ययन रिपोर्ट के अनुसार देश में सिजेरियन सेक्शन प्रसव (सी-सेक्शन) की बढ़ती दर के प्रमुख कारण निम्नलिखित हैः

- **चिकित्सक द्वारा नैदानिक निर्णय लेना:** नैदानिक कारणों, जैसे मातृ आयु, बहु-भ्रूण गर्भावस्था, भ्रूण संकट, पूर्व में सिजेरियन सेक्शन, दीर्घकालिक प्रसव पीड़ा, प्लेसेंटा प्रीविया तथा मातृ संबंधी जटिलताओं की स्थिति में सिजेरियन प्रसव की संभावना अधिक होती है।
- **रोगी/समुदाय की प्राथमिकताएं:** निर्णय लेने में इनकी भी महत्वपूर्ण भूमिका होती है।

(घ) और (ङ) राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के अंतर्गत, सभी राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों में अनावश्यक सिजेरियन प्रसव को विनियमित करने, उसकी निगरानी करने तथा उसे हतोत्साहित करने के लिए विभिन्न उपाय/पहलें शुरु की गई हैं। प्रमुख उपाय इस प्रकार हैः

- केंद्रीय सरकारी स्वास्थ्य योजना (सीजीएचएस) के पैनलबद्ध अस्पतालों के लिए यह आवश्यक किया गया है कि वे सिजेरियन सेक्शन तथा सामान्य प्रसव के अनुपात संबंधी जानकारी प्रमुखता से प्रदर्शित करें।
- स्वास्थ्य सुविधा केंद्रों में आंकड़ों की रिपोर्टिंग तथा निगरानी व्यवस्था को सुदृढ़ किया गया है।
- राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानकों (एनक्यूएएस) के अंतर्गत, सभी सरकारी अस्पतालों के प्रसूति ऑपरेशन थिएटरों के मूल्यांकन हेतु जांच सूची में सिजेरियन सेक्शन लेखा-परीक्षा (सी-सेक्शन ऑडिट) का एक पृथक घटक सम्मिलित किया गया है।
- दक्ष, दक्षता, कुशल प्रसव सहायक (एसबीए) तथा नर्स प्रैक्टिशनर मिडवाइफरी (एनपीएम) सहित विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रारंभ किए गए हैं।

दिनांक 31.07.2026 को उत्तर दिए जाने वाले लोक सभा अतारांकित प्रश्न संख्या 2189 के भाग (ख) के उत्तर में संदर्भित अनुलग्नक

अनुलग्नक

राजस्थान के दौसा जिले में हुए प्रसवों, जिनमें सिजेरियन सेक्शन प्रसव भी शामिल हैं, का विवरण

(स्रोत: एनएफएचएस-5)

ज़िला	**संस्थागत प्रसव (%)**	**सरकारी सुविधा केंद्र में संस्थागत प्रसव (%)**	**सिजेरियन सेक्शन से हुए प्रसव (%)**	**निजी स्वास्थ्य सुविधा केंद्र में सिजेरियन सेक्शन से हुए प्रसव (%)**	**सरकारी स्वास्थ्य सुविधा केंद्र में सिजेरियन सेक्शन से हुए प्रसव (%)**
दौसा	98.2	74.3	8.8	18.4	5.9

*****